सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक: 35 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 10 मार्च, 2026

मूल्य ₹ 3/-

जीवन में खुश रहने का फैसला करो। खुश रहने को अपने जीने का तरीका बनाओ।

-महात्रिया रा

बीसीसीआई ने की भारतीय टीम पर पैसो... 7 | नायडू की योजनाओं से गरमाई... 3 | पश्चिम एशियाई देशों में फंसे हमारे... 2

भारत में तो फट गया एलपीजी बम

गैस की किल्लत बंद होने लगे होटल और रेस्टोरेंट

कामर्शियल गैस सिलेंडर के बाद घरेलू गैस सिलेंडर की जबर्दस्त शार्टेज

» त्योहारी सीजन में कालाबाजारी चरम पर 2 हजार रूपये प्रति सिलेंडर पहुंचा भाव

» ईरानी रिफाइनरी विस्फोट के जहरीला धुआं का भारत पहुंचने की आशंका से थर्राए देश के पर्यावरणविद

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। बेंगलुरू, राजस्थान, तमिलनाडू के बाद मुंबई से भी कामर्शियल गैस सिलेंडर की शार्टेज होने के चलते रेस्टोरेंट और होटल बंद होने की खबरें सामने आने लगी है। वहीं पूरे देश में घरेलू गैस सप्लाई पर भी संकट के बादल छा गये हैं और घरेलू सिलेंडर की कालाबजारी चरम पर पहुंच रही है।

त्योहारी सीजन होने के चलते लोग उंचे दामों पर गैस सिलेंडर खरीदने के लिए मजबूर है। इंडियन होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप पुरी को चिट्ठी लिखकर अवगत कराया है कि यदि यही हाल रहा तो 50 फीसदी तक होटल और रेस्टोरेंट बंद हो जाएंगे। वहीं ईरान तेल रिफाइनरी में लगी आग का असर भारत पर भी पड़ने की संभावना है और जल्द ही उसके जहरीले धएं की चपेट में आने की बात पर्यावरणविद उठा रहे हैं। कुल मिलाकर 10 दिनों के ईरान–इजरायल–अमेरिका युद्ध की आग के शोलों की तपिश भारत में महसूस की जाने लगी है। वहीं मिडिल ईस्ट के तनाव के चलते शेयर बाजार के हालात भी ठीक नहीं बताए जा रहे।

गैस की कमी पर सरकार तैयारियों को लेकर कमजोर दिख रही : प्रियंका चतुर्वेदी

ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच जारी युद्ध के दौरान देश के कुछ हिस्सों में एलपीजी की कमी का असर दिख रहा है। इस बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) से राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्र से कहा है कि सरकार तैयारियों को लेकर कमजोर दिख रही है। उन्होंने कहा कि कहा कि एलपीजी की दिक्कत का सामना आम जनता को करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह से फेल नहीं है, लेकिन हालात चिंताजनक हैं। उनके मुताबिक गैस की कमी का असर होटलों और छोटे कारोबारों पर पड़ेगा, जिससे रोजगार का संकट भी पैदा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा

कि भारत को इस मुद्दे पर अमेरिका और इजराइल पर दबाव बनाना चाहिए साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि पेट्रोल और गैस की दिक्कत का असर आने वाले समय में सीधे आम जनता पर पड़ सकता है। इसके साथ ही सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में राज्यसभा सांसद ने कहा कि शांतिपूर्ण समय में हम कहते हैं कि हम हर तरह के संकट और व्यवधान से निपटने के लिए तैयार हैं। लेकिन युद्ध के समय कहा जा रहा है कि माफ कीजिए, हम मदद नहीं कर सकते। यानी जो बातें पहले कही जाती थी, वे सिर्फ जुमले साबित हो रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान को लेकर चेतावनी दे रहे थे और युद्ध शुरू होने से दो दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने इजराइल का दौरा किया था। इसके बावजूद ऐसा लगता है कि भारत सरकार एक बार फिर तैयारियों के मामले में कमजोर और गरूरत से ज्यादा आत्ममुग्ध नजर आ रही है।

होटल एसोसिएशन ने दी पेट्रोलियम मंत्री को चेतावनी

इंडियन होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ने कमर्शियल सिलेंडर्स की कमी पर चिंता जाहिर करते हुए बताया है कि कमर्शियल सिलेंडर्स की भारी कमी हो गई है। इस वजह से करीब 20 फीसदी होटल और रेस्तरां को अपना संचालन बंद करना पड़ा है। साथ ही आहार ने पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखकर समाधान की मांग की है। वहीं गैस संकट को लेकर आहार प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल से मुलाकात की। आहार के अध्यक्ष विजय शेट्टी ने चेतावनी दी है कि यदि अगले 72 घंटों के भीतर आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो मुंबई के 50 फीसदी तक रेस्तरां बंद हो सकते हैं। अमेरिका इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने से होर्मुज जलडमरूमध्य से टैंकरों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। भारत भी अपनी एलपीजी गैस का एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से आयात करता है इसलिए आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। मुंबई के होटल-रेस्टोरेंट के सामने यह संकट कई सालों के बाद खड़ा हुआ है। इसी तरह बेंगलुरू में होटल और रेस्टोरेंट एसोसिएशनों ने चेतावनी दी है कि कई प्रतिष्ठानों के पास केवल एक या दो दिन का गैस स्टॉक बचा है, जिसके कारण उन्हें जल्द ही संचालन रोकना पड़ सकता है। दक्षिण भारत के ही बड़े शहर चेन्नाई में भी होटल उद्योग ने गैस की अनियमित सप्लाई को लेकर चिंता जताई है और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उधर राजस्थान के कई शहरों में कमर्शियल गैस सिलेंडर की नई बुकिंग रोकने की खबरों से होटल, ढाबे और छोटे खाद्य व्यवसायों के सामने संकट खड़ा हो गया है।

सरकार गुमराह कर रही है : रामगोपाल यादव

देश के कई बड़े शहरों में एलपीजी सिलेंडर की कमी को लेकर विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सरकार की नीतियों और दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार जनता को गुमराह कर रही है। सपा के सांसद रामगोपाल यादव ने मुंबई और बेंगलुरु के रेस्टोरेंट्स में एलपीजी सिलेंडर की कमी पर कहा है कि सारी दुनिया में इसकी कमी हो गई है लेकिन हमारी सरकार देश की जनता को लगातार गुमराह कर रही है। सरकार कह रही है कि हमारे पास पर्याप्त ईंधन का है जबकि 80 प्रतिशत हमारे यहां जो पेट्रोल-डीजल व कच्चा तेल आता है वो बाहर से ही आता है। ऐसे में कच्चे तेल की आपूर्ति में कमी आ गई है लेकिन केंद्र सरकार झूठ बोलकर लोगों को गुमराह कर रही है। इनकी गलत नीतियों के कारण देश को बहुत नुकसान हो रहा है।

शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर बाकी सभी कमर्शियल संस्थानों को गैस की सप्लाई बंद : केजरीवाल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने देश में एलपीजी आपूर्ति को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों और अस्पतालों को छोड़कर बाकी सभी कमर्शियल संस्थानों को गैस की सप्लाई बंद कर दी गई है और फिलहाल केवल घरेलू उपयोग के लिए गैस दी जा रही है। केजरीवाल ने यह बयान तब दिया जब पेट्रोलियम मंत्रालय की एक पोस्ट को उन्होंने रिपोस्ट करते हुए इस पर टिप्पणी की।

घरेलू गैस सिलेंडर कालाबजारी चरम पर

मौजूदा स्थिति से निबटने के लिए सरकार ने घरेलू खाना पकाने की गैस की बिना बाधा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम (ईसी एक्ट) लागू किया है। उन्होंने रिफाइनरियों और पेट्रोकेमिकल इकाइयों को एलपीजी का उत्पादन अधिकतम करने और प्रमुख हाइड्रोकार्बन स्रोतों को एलपीजी पूल में मोड़ने का निर्देश दिया है। पूरे देश में गैस सिलेंडर का संकट खड़ा हो गया है और लोगों को गैस बुक कराने के बाद भी गैस नहीं मिल पा रही है।

वित्त मंत्री का एलान नहीं पड़ेगा असर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बताया कि खुदरा महंगाई दर पर कच्चे तेल की कीमतों में होने वाली भारी बढ़ोतरी का सीमित असर होगा। महंगाई दर अभी अपने निचले स्तर पर है जिससे कच्चे तेल के असर को सीमित करने में मदद मिलेगी। युद्ध की शुरुआत से पहले पिछले एक साल से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत में गिरावट हो रही थी। अभी जो महंगाई दर है, उससे तेल के दाम में बढ़ोतरी के असर को कम किया जा सकता है और अभी कच्चे तेल के दाम बढ़ने से महंगाई पर पड़ने वाले प्रभाव का कोई आकलन नहीं किया गया है।

पश्चिम एशियाई देशों में फंसे हमारे भारतीय नागरिक त्योहार नहीं मना पा रहे हैं: अखिलेश

» सपा प्रमुख ने भाजपा सरकार को घेरा, बोले- आखिर भारतीय सरकार कर क्या रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को जमकर घेरा है। सपा प्रमुख ने कहा कि जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है, पश्चिम एशियाई देश में फंसे हमारे कई भारतीय नागरिक कई त्योहार नहीं मना पा रहे हैं... आखिर भारतीय सरकार कर क्या रही है? नेताओं की बैठक होगी। मुझे लगता है कि उसमें कई फैसले लिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने की मांग वाले प्रस्ताव पर आगे की रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए बैठक कर रहे हैं।

बता दें संसद सत्र से पहले, भाजपा सरकार की विदेश नीति को गिरवी बताते हुए उस पर तीखा हमला किया है। उन्होंने बढ़ती महंगाई का हवाला देकर मध्य पूर्व में फंसे भारतीयों की दुर्दशा का मुद्दा उठाया ।

समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक से पहले भाजपा की विदेश नीति के प्रबंधन की कड़ी आलोचना की। इंडिया ब्लॉक के नेताओं की बैठक के एजेंडे पर चर्चा करते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा के शासन में भारत की विदेश नीति गिरवी रखी गई है। बढ़ती महंगाई के प्रभाव को उजागर करते हुए उन्होंने दावा किया कि मध्य पूर्व में फंसे कई भारतीय नागरिक मौजूदा संकट के कारण त्योहार नहीं मना पा रहे हैं।

नेताओं की बैठक में आगे की कार्यवाही तय की जाएगी

यादव ने आगे कहा कि सदन के नेताओं की बैठक होगी, जिसमें आगे की कार्यवाही तय की जाएगी। अन्य विपक्षी नेताओं ने भी भाजपा के विदेश नीति के रवैये की आलोचना की। समाजवादी पार्टी के सांसद राम गोपाल यादव ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संसद में विदेश मंत्री के आगामी बयान पर टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया कि सत्ताधारी सरकार विदेश नीति के मामलों पर स्पष्टीकरण देने में लगातार आनाकानी कर रही है।

यह सरकार कभी भी स्पष्टीकरण देने को तैयार नहीं

यादव ने जोर देकर कहा कि केवल मंत्री के बयान देने से विपक्ष की मुख्य चिंताओं के समाधान में कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। यादव ने पत्रकारों से कहा कि परंपरा यह रही है कि जब सरकार सदन में बयान देती है, तो विपक्ष को स्पष्टीकरण मांगने का अधिकार होता है। लेकिन यह सरकार कभी भी स्पष्टीकरण देने को तैयार नहीं होती। इसलिए, ऐसा बयान देने से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अध्यक्ष ओम बिरला को हटाने के प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद ने कहा कि जब तक इस मामले पर सदन में आधिकारिक तौर पर चर्चा नहीं होती, तब तक पार्टी इस पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करेगी।

एलपीजी की कमी को लेकर सपा ने सरकार को घेरा

समाजवादी पार्टी ने देश के कई हिस्सों में एलपीजी की कमी को लेकर सरकार को घेरा है। उत्तर प्रदेश स्थित अयोध्या से सपा सांसद ने अवधेश प्रसाद ने दावा किया है कि यह बढ़ता जाएगा। सांसद ने कहा कि सरकार का तीन सदस्यों का पैनल जो सप्लाई के मामलों की जांच करता है वो इसे रोक नहीं पाएगा. यह दिन-ब-दिन बढ़ता जाएगा, और एलपीजी सिलेंडर की कमी से हमारी इकॉनमी पर असर पड़ेगा, महंगाई बहुत बढ़ जाएगी, और सरकार बेबस हो जाएगी. वे कुछ नहीं कर पाएंगे।

पायलट को बलि का बकरा बनाने की तैयारी: रोहित पवार

एनसीपी-एसपी नेता ने वीएसआर वेंचर्स के मालिक पर दागे तीखे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की जान लेने वाली दुखद लीयरजेट विमान दुर्घटना (28 जनवरी) की जांच अब एक नए विवाद के केंद्र में है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक रोहित पवार ने इस मामले में विमानन कंपनी वीएसार वेंचर्स के मालिक वी. के. सिंह की भूमिका और उनके बयानों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अपराध अन्वेषण विभाग ने हाल ही में वीएसआर वेंचर्स के मालिक वी. के. सिंह से पूछताछ कर उनका बयान दर्ज किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सिंह ने कथित तौर पर इस दुर्घटना के लिए पायलट की गलती को जिम्मेदार ठहराया है। इसी दावे पर रोहित पवार ने तीखी प्रतिक्रि या दी है। अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) के एक अधिकारी ने कोई विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा था कि सीआईडी ने पिछले सप्ताह सिंह से पूछताछ की और उनका बयान दर्ज किया। सीआईडी ??ने सिंह से पूछताछ के संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया है।

वीएसआर वेंचर्स द्वारा संचालित एक लीयरजेट 45 विमान 28 जनवरी को पुणे जिले के बारामती हवाई पट्टी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इस घटना में अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी। मीडिया के एक वर्ग ने सीआईडी को दिए सिंह के कथित बयान का जिक्र किया था। रोहित पवार ने मीडिया के एक वर्ग में आए सिंह के इसी कथित बयान का हवाला देते हुए सोमवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ब्लैक बॉक्स में वास्तव में क्या रिकॉर्ड हुआ था, यह अब तक सामने नहीं आया है। अगर ऐसा है, तो वीएसआर कंपनी के मालिक वी के सिंह को दुर्घटना के कुछ ही समय बाद कैसे पता चला कि यह पायलट की गलती थी?' उन्होंने कहा, ''अगर यह सज्जन कह रहे हैं कि गलती पायलट की थी और इस मामले से अपना पल्ला झाड़ रहे हैं, तो ऐसा लगता है कि वह खुद को इससे दूर रखते हुए दोष किसी और पर डालने की कोशिश कर रहे हैं।

राकांपा (शप) विधायक ने कहा कि जब तक अधिकारी विमान दुर्घटना के बारे में ठोस और विश्वसनीय जानकारी जारी नहीं करते, तब तक लोगों को किसी भी चर्चा या निराधार दावों पर विश्वास नहीं करना चाहिए। विधायक ने बताया कि कभी रिपोर्ट में कहा जाता है कि विमान का 'ब्लैक बॉक्स' जल गया है, जबकि कभी दावा किया जाता है कि डेटा बरामद कर लिया गया है। उन्होंने कहा, ''जांच एजेंसियां इस मामले पर पूरी तरह से चुप्पी साधे हुए हैं।

मप्र में किसान-मजदूर-आदिवासी की नहीं सुनी जाती: उमंग सिंघार

» नेता प्रतिपक्ष ने मोहन सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उमरिया। मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के पुराने बस स्टैंड में सोमवार को कांग्रेस द्वारा किसान, मजदूर और आदिवासी अधिकार महासम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सम्मेलन के जरिए कांग्रेस ने प्रदेश सरकार की नीतियों को लेकर किसानों, मजदूरों और आदिवासी वर्ग के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया।

हालांकि कार्यक्रम के दौरान पंडाल में कई कुर्सियां खाली नजर आईं, जिसकी चर्चा पूरे आयोजन के दौरान होती रही। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने मंच से प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों, मजदूरों और आदिवासी समाज की समस्याओं को गंभीरता से नहीं सुना जा रहा है। नेताओं का कहना था कि सरकार की कई नीतियां इन वर्गों के हित में नहीं हैं, जिससे ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में लोगों को परेशानियों का सामना

करना पड़ रहा है। सम्मेलन में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार ने अपने संबोधन में आदिवासी समाज के अधिकारों और किसानों की समस्याओं को लेकर सरकार पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आदिवासी और किसान वर्ग कई समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन उनकी आवाज को पर्याप्त महत्व नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से किसानों, मजदूरों और आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए आवाज उठाती रही है और आगे भी संघर्ष जारी रहेगा। उनके संबोधन के दौरान मंच पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

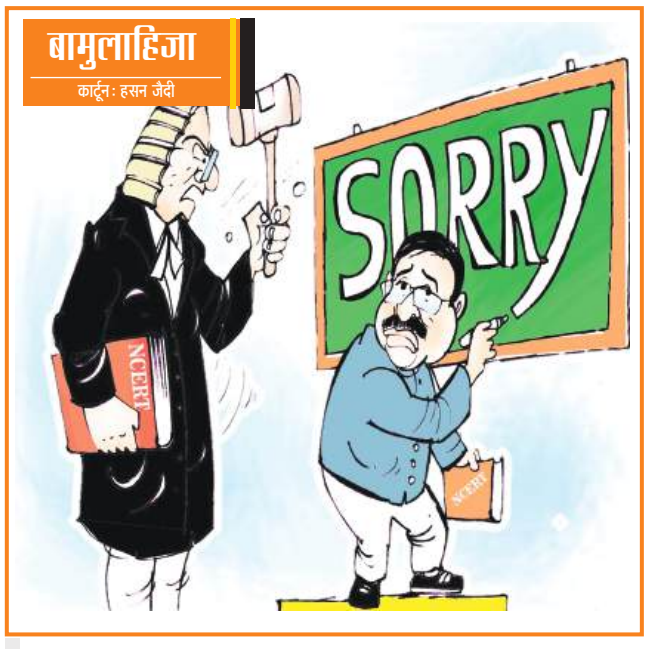

बिहार की जनता अब सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि विकास देखना चाहती है: तेज प्रताप

सम्राट चौधरी के सीएम बनने की चर्चा पर कसा तंज - कहा, पहले बिहार को नंबर वन बनाए केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रही चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सबसे पहले केंद्र सरकार को बिहार के विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने की जरूरत है, तभी बिहार देश में नंबर वन बन पाएगा। इस दौरान उन्होंने राज्य की मौजूदा राजनीति पर भी खुलकर अपनी बात रखी।

तेज प्रताप यादव ने कहा कि बिहार की जनता अब सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी नहीं, बल्कि विकास देखना चाहती है। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं और गरीबों के हित में ठोस

युवाओं को अवसर देने की जरूरत

उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन उन्हें पर्याप्त अवसर नहीं मिलते। अगर सरकार शिक्षा, रोजगार और उद्योग को बढ़ावा दे तो राज्य के युवाओं को बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और पलायन भी कम होगा।

कदम उठाने की जरूरत है। अगर केंद्र और राज्य सरकार मिलकर काम करें तो बिहार को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकता है। सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना को लेकर पूछे गए सवाल पर तेज प्रताप यादव ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जो भी नेता मुख्यमंत्री बने, उसे बिहार के विकास को प्राथमिकता देनी चाहिए और जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहिए। तेज प्रताप ने कहा कि राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन राज्य के विकास के मुद्दे पर सभी दलों को एकजुट होकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार की प्रगति के लिए सकारात्मक सोच और बेहतर नीतियों की जरूरत है।

नायडू की योजनाओं से गरमाई आंध्र की सियासत

नई जनसंख्या प्रबंधन नीति पर विचार, विपक्ष का प्रहार

वाईएसआरसीपी के निशाने पर सीएम

» कांग्रेस ने एनडीए सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। वैसे तो चुनाव तमिलनाडु में चुनाव है, पर उसके करीबी राज्य आंध्र प्रदेश में सियासी माहौल इतने दिन एनडीए सरकार बनने के बाद भी बना हुआ है। ये सियासत की गर्माहट राज्य के सीएम चंद्रबसबू नायडू के नई घोषणाओं की वजह से बनी हुई है। ताजे मामले में उन्होंने में राज्य में तीन बच्चों की पैदाइश पर 25 हजार देने की बात कही है।

हालांकि उसको लेकर वह विपक्ष के निशाने पर हैं। कांग्रेस व वाईएसआरसीपी ने उन पर प्रहार आरंभ कर दिया है। वाईएसआरसीपी ने चंद्रबाबू नायडू सरकार पर सुपर सिक्स योजनाओं, बढ़ते कर्ज, और किसानों की आत्महत्या जैसे प्रमुख मुद्दों पर जवाबदेही से बचने का आरोप लगाया है, और दावा किया कि सरकार सदन में सवालों का जवाब देने के बजाय केवल राजनीतिक भाषणों में लिप्त है।

बजट भाषण को राजनीतिक भाषण में बदला

एक अन्य वाईएसआरसीपी एमएलसी, तुमाती माधवराव ने वित्त मंत्री पय्यावुला केशव की बजट भाषण को राजनीतिक भाषण में बदलने के लिए आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि मंत्री ने 40,000 करोड़ रुपये के ब्याज बोझ को कम करने का झूठा श्रेय लिया, जबकि वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान किए गए वित्तीय प्रबंधन उपायों को नजरअंदाज कर दिया, जिसमें कोविड-19 के बाद के आरक्षित कोष से जुड़े समायोजन भी शामिल हैं। वाईएसआरसीपी के एमएलसी मोंडीथोका अरुण कुमार ने मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू पर धन सृजन के पूर्व वादों के बावजूद राज्य के कर्ज में तेजी से वृद्धि करने का भी आरोप लगाया।

राज्य की दुर्दशा जैसे प्रमुख मुद्दों पर जवाबदेही से बच रहे सीएम : एमएलसी लेल्ला अप्पिरेड्डी

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के विधान परिषद सदस्यों ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि प्रशासन सुपर सिक्स योजनाओं के कार्यान्वयन, बढ़ते सार्वजनिक ऋण, रोजगार सृजन और किसानों की दुर्दशा जैसे प्रमुख मुद्दों पर जवाबदेही से बच रहा है। विधानसभा मीडिया प्वाइंट पर बोलते हुए, वाईएसआरसीपी के एमएलसी ने घोषणा की कि सरकार के पास सदन में उठाए गए किसी भी प्रश्न का कोई जवाब नहीं है, चाहे वह सुपर सिक्स योजनाओं के कार्यान्वयन, भारी ऋण, रोजगार सृजन, फसलों के लिए एमएसपी या किसान आत्महत्याओं से संबंधित हो, और वह केवल राजनीतिक भाषण और सरासर झूठ में लिप्त है। वाईएसआरसीपी के एमएलसी लेल्ला अप्पिरेड्डी ने कहा कि सरकार के तीसरे बजट में भी प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के आवंटन को लेकर स्पष्टता नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मंत्री मौजूदा सरकार के प्रदर्शन पर ध्यान देने के बजाय पिछली वाईएसआरसीपी सरकार को दोष देने में अधिक समय बिता रहे हैं। अप्पिरेड्डी ने कहा कि विधानसभा में हेरिटेज डेयरी सिंडिकेट भ्रष्टाचार (जिसे इंदापुर डेयरी के नाम से छिपाया गया था) के सबूतों के साथ पूछे जाने पर, सत्ताधारी पार्टी ने बाधा डाली और मंत्री भाग गए। चूंकि विधानसभा में उनसे कोई सवाल नहीं करता, इसलिए उन्होंने तिरुमाला लड्डू प्रसादम और सरकारी आदेश संख्या 746 और 747 पर नए झूठ का सहारा लिया।

दूरदर्शी शासन नहीं है - यह अदूरदर्शी राजनीति है

उन्होंने तर्क दिया कि भारत पहले से ही दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और आने वाले दशकों तक सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक रहने की उम्मीद है। उनके अनुसार, देश की असली चुनौती जनसंख्या का आकार नहीं बल्कि हर साल कार्यबल में शामिल होने वाले लाखों युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार और अवसरों की कमी है। टैगोर ने आगे कहा कि बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सृजन के माध्यम से मानव पूंजी को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, मौद्रिक प्रोत्साहनों के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहित करना दूरदर्शी शासन की बजाय अल्पकालिक राजनीतिक सोच को दर्शाता है। एक्स पर पोस्ट में कहा कि भारत पहले से ही दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, और अगले 50 वर्षों तक सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक बना रहेगा। हमारी समस्या लोगों की कमी नहीं है। हमारी समस्या हर साल कार्यबल में शामिल होने वाले लाखों भारतीयों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल, रोजगार और अवसरों की कमी है। मानव पूंजी, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, यह नीति नकद प्रोत्साहनों के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा देती है। यह दूरदर्शी शासन नहीं है - यह अदूरदर्शी राजनीति है।

आंध्र प्रदेश में तीसरा बच्चा पैदा करने पर मिलेंगे 25,000 : चंद्रबाबू नायडू

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू में राज्य की संख्या बढ़ाने के लिए बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि राज्य में जो भी माता-पिता दूसरे बच्चा पैदा करेंगे, सरकार उन्हें 25000 रुपये का इंसेंटिव (आर्थिक मदद) देने पर विचार कर रही है। एन चंद्रबाबू नायडू ने राज्य के सीएम की बागडोर संभालने के बाद कहा था कि दक्षिण की आबादी घट रही है। ऐसे में हमें ज्यादा बच्चों के बारे में सोचना चाहिए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने गुरुवार को कहा कि राज्य सरकार गिरती जन्म दर को बढ़ावा देने के लिए यह बयान दिया था। अब नायडू ने कहा कि सरकार दूसरा बच्चा करने वाले जोड़ों को आर्थिक मदद देने की दिशा में सोच रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव मिला है। हम निश्चित रूप से यह सुनिश्चित करेंगे कि अगले 90 दिनों में 13 साल से कम उम्र के बच्चों की इस तक कोई पहुंच न हो। इस बात पर चर्चा चल रही है कि यह आयु सीमा 13 साल होनी चाहिए या 16 साल। अगर सभी सहमत होते हैं, तो हम फैसला लेंगे। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य सरकार एक नई जनसंख्या प्रबंधन नीति पर विचार कर रही है जिसमें परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु वित्तीय प्रोत्साहन शामिल हैं। उन्होंने घोषणा की कि दूसरे या तीसरे बच्चे के माता-पिता को प्रसव के समय 25,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। आंध्र प्रदेश विधानसभा में बोलते हुए, मुख्यमंत्री नायडू ने राज्य की प्रस्तावित जनसंख्या प्रबंधन नीति प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगभग 58 प्रतिशत परिवारों में केवल एक बच्चा है, लगभग 2.17 लाख परिवारों में दो बच्चे हैं और लगभग 62 लाख परिवारों में तीन या अधिक बच्चे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि लगभग तीन लाख परिवारों में दो के बजाय केवल एक बच्चा है, जबकि अन्य तीन लाख परिवारों में दो से अधिक बच्चे हैं।

आंध्र प्रदेश सरकार बड़े परिवारों को प्रोत्साहित करने के लिए किया वित्तीय प्रस्ताव : मणिकम टैगोर

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा घोषित प्रस्तावित जनसंख्या नीति पर चिंता व्यक्त की, जिसमें तीसरे या उससे अधिक बच्चे होने पर परिवारों को 25,000 रुपये का प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है। टैगोर ने एक्स पर एक पोस्ट में नीति के औचित्य पर सवाल उठाते हुए जोर दिया कि आज सरकारों की प्राथमिकता एक कुशल कार्यबल का निर्माण करना होना चाहिए जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और स्वचालन जैसी प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था के अनुकूल हो सके। नीति के मसौदे का जिक्र करते हुए टैगोर ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने बड़े परिवारों को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन का प्रस्ताव तो रखा है, लेकिन यह कदम नीति की दिशा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा करता है। यह ऐसे समय में किया जा रहा है जब दुनिया भर के देश ऐसे भविष्य की तैयारी कर रहे हैं जहां तकनीकी प्रगति के कारण कई पारंपरिक नौकरियां लुप्त हो सकती हैं। टैगोर ने एक्स शीर्षक से लिखा, एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने एक जनसंख्या नीति का मसौदा पेश किया है जिसमें तीसरे बच्चे के लिए 25,000 रुपये और बड़े परिवारों के लिए अन्य प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है। इससे एक गंभीर और चिंताजनक सवाल उठता है। ऐसे समय में जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और स्वचालन तेजी से वैश्विक अर्थव्यवस्था को बदल रहे हैं, देश ऐसे भविष्य की तैयारी कर रहे हैं जहां कई पारंपरिक नौकरियां लुप्त हो सकती हैं। आज सरकारों के सामने असली चुनौती ऐसे कुशल नागरिक तैयार करना है जो इस नई अर्थव्यवस्था में टिक सकें और तरक्की कर सकें।

राज्य को कर्ज में डुबोया

उन्होंने दावा किया कि पिछले 20 महीनों में सरकार ने 32 लाख करोड़ रुपये से अधिक का ऋण लिया है, जो उनके अनुसार वाईएसआरसीपी सरकार द्वारा अपने पांच साल के कार्यकाल में लिए गए ऋण का लगभग 95 प्रतिशत है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि सरकार 62 लाख नौकरियां सृजित करने और बेरोजगारी भत्ता देने के वादे पर स्पष्टता प्रदान करने में विफल रही है। एमएलसी वरदु कल्याणी ने राज्य में किसानों की दयनीय स्थिति पर प्रकाश डालते हुए दावा किया कि कई किसान और कृषि मजदूर अपनी उपज के लाभकारी मूल्य न मिलने के कारण आत्महत्या कर रहे हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महिलाओं को सामाजिक सुरक्षा और मजबूती से मिले

8 मार्च को पूरी दुनिया मे महिला दिवस मनाया गया है। वैसे तो भारत में सदियों से महिलाओं को सम्मान होता रहा है। पर कु छ सालों में जहां महिलाएं सशक्त हुई हैं वहीं उनके साथ होने वाले अत्याचार बढ़े भी हैं। समाज ,सरकार की जिम्मेदारी है कि महिलाओं को सामजिक सुरक्षा और मजबूती से मिले। भारतीय नारी जब सशक्त होगी तो एक बच्चा ही नहीं पूरा परिवार, समाज व देश मजबूत होगा। महिलाएं समाज की रचनात्मक शक्ति हैं। समाज में असमानता होना स्वाभाविक है, क्योंकि प्राकृतिक रूप से भी सभी व्यक्ति समान नहीं है। परंतु समाज में व्याप्त असमानता के आधार पर यदि जाति, धर्म, लिंग आदि के आधार पर भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है तो वह सामाजिक अन्याय की श्रेणी में आता है। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता कि लिंग के आधार पर भेदभाव का बड़ा कारण यह है कि पुरुष और महिला की भूमिकाओं में निरंकुश तरीकों से विभाजन किया गया है।

सबसे क्रूरतम पहलू कन्या भ्रूण हत्या के रूप में रहा है। जन्म से पहले ही कन्या को जीने के अधिकार से वंचित किया कर दिया जाता था, जो बच जातीं उनका जीवन अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए एक संघर्ष बन जाता। महिलाओं की साक्षरता दर अब भी पुरुषों से कम बनी हुई है। समाज में व्याप्त दोहरे मापदंड ही महिलाओं की स्वतंत्रता को हनन करने के लिए उत्तरदायी हैं। दशकों के संघर्ष के बाद महिलाओं ने स्वयं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना शुरू किया है, परंतु इनमें भी उन्हें दोहरी भूमिका का निर्वाह करना पड़ता है। जिसके परिणामस्वरूप शोध बता रहे हैं कि महिलाओं में हृदय संबंधी बीमारियों में तेजी से वृद्धि हो रही है। महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तीकरण के प्रयास काफी तेजी से हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि इन सब की रोकथाम के लिए सरकार ने कोई प्रयास नहीं किए, 1994 में कन्या भ्रूण हत्या को कानून बनाकर प्रतिबंधित किया। वहीं बालिका शिक्षा के लिए विशेष योजनाएं चलाई जा रही है। महिला साक्षरता दर में भी आशातीत वृद्धि हुई है। 2005 में सरकार द्वारा घरेलू हिंसा कानून बनाया गया, महिलाओं को संपत्ति में बराबर का अधिकार दिया गया। कार्यस्थल पर महिलाएं स्वतंत्र और सुरक्षित रहें, इसके लिए कार्यस्थल पर यौनशोषण रोकने संबंधी कानून बनाया गया है। स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय महिलाओं की स्थिति में आमूल-चूल परिवर्तन हुए हैं और यह परिवर्तन भी स्त्रियों ने ही किए हैं। इस बार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का विषय है गिव टू गेन दान केवल आर्थिक नहीं होता है। दान वास्तव में हमारे योगदान को चिह्नित कराना है। यह योगदान हम सार्थक सहयोग प्रदान करके किसी भी रूप में दे सकते हैं।

महिलाएं समाज की रचनात्मक शक्ति हैं। समाज में असमानता होना स्वाभाविक है, क्योंकि प्राकृतिक रूप से भी सभी व्यक्ति समान नहीं है। परंतु समाज में व्याप्त असमानता के आधार पर यदि जाति, धर्म, लिंग आदि के आधार पर भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है तो वह सामाजिक अन्याय की श्रेणी में आता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

न्याय निष्पक्षता के महत्व की रक्षा हो

विश्वनाथ सचदेव

अब यह बात पुरानी नहीं बल्कि बहुत पुरानी लगती है। सातवीं या आठवीं कक्षा में पढ़ता था मैं। सामूहिक गीत गवाये जाने की प्रथा थी तब स्कूल में। दो ऐसे गीतों की पंक्तियां मुझे आज, सत्तर-पचहत्तर साल बाद, भी याद हैं, अच्छी लगती थीं मुझे यह पंक्तियां। एक कविता में नया जमाना लाने की बात कही गयी थी- 'दे वरदान हमें माता हम निकले आन निभाने को... जहां बेटियां बिकती हैं, बेटों का मोल किया जाता... ऐसे समाज के ढांचे की हम निकले नींव हिलाने को...' और एक कविता थी- 'मेरा देश कि जिसकी मिट्टी सोना उगले, और जहां की भूखी जनता मिट्टी निगले... न्याय दास है यहां करेंसी के नोटों का, शासन भिखमंगा है जनता के वोटों का...।'

आज न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर देश में एक विवाद-सा चल रहा है। हुआ यह है कि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की आठवीं कक्षा की एक पुस्तक में देश की न्यायपालिका में भ्रष्टाचार शीर्षक से एक पाठ शामिल किया गया था। उच्चतम न्यायालय ने इस पर आपत्ति उठायी है। उन्हें लग रहा है कि आठवीं कक्षा के बच्चों को यह सब बताने से उनके कोमल मस्तिष्क पर गलत प्रभाव पड़ सकता है। न्यायपालिका के बारे में उनके मन में गलत अवधारणा बन सकती है। तर्क यह दिया जा रहा है कि आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले बालक की बुद्धि इतनी परिपक्व नहीं होती कि वह मुद्दे की गहराई को समझ सके। न्यायालय ने आठवीं कक्षा की इस पुस्तक को प्रतिबंधित कर दिया है और एनसीईआरटी ने भी अपनी 'गलती' के लिए क्षमा मांग कर पुस्तक की बिक्री पर रोक लगा दी है। मैंने पुस्तक का यह विवादास्पद अध्याय नहीं पढ़ा है, पर इसके बारे में जितना कुछ मीडिया में आया है उसे देखते हुए यह अनुमान लगाना गलत नहीं होगा कि उच्चतम न्यायालय को यह आशंका है कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के बारे में दी गयी जानकारी से आठवीं में पढ़ने वाले बालक की बाल-बुद्धि पर गलत प्रभाव पड़ेगा।

जब बाल-बुद्धि वाली यह बात मैंने पढ़ी तो अनायास मुझे वे दो कविताएं याद आ गयीं, जिनकी चर्चा आलेख के प्रारंभ में की गयी है। मैं सोच रहा हूं कि क्या सचमुच इन कविताओं को पढ़कर मेरे मन में 'जर्जर समाज' या 'करेंसी नोटों की दास न्यायपालिका' के बारे में कोई ऐसी धारणा बन गयी थी जिसे गलत कहा या समझा जा रहा है? सच कहूं तो आठवीं कक्षा की अपनी

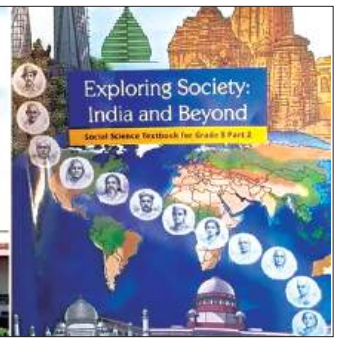

पढ़ाई के दौरान और आज उसके लगभग सत्तर साल बाद भी, और उस कविता को पसंद करने के बावजूद, न्यायपालिका के महत्व को मैंने कभी कम नहीं आंका, और न ही कभी मुझे ऐसा लगा कि न्यायपालिका के बारे में मेरे मन में सम्मान कहीं कम हुआ है। जिन चार स्तंभों पर हमारा जनतंत्र टिका है, उनमें संभवत: सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है हमारी न्यायपालिका और आरोपों और अपवादों के बावजूद आज भी न्यायपालिका पर देश का भरोसा कम नहीं हुआ है। न्यायपालिका की कार्यप्रणाली और उसकी निष्पक्षता को लेकर सवाल भले ही उठते रहे हों, पर इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि कुल मिलाकर हमारी न्यायपालिका देश की जनता को एक भरोसा देती है। यह भरोसा बना रहे शायद यही मंशा रही होगी उच्चतम न्यायालय की जब उसने एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की किताब के एक अध्याय पर सवालिया निशान लगाया। ऐसा नहीं है कि एनसीईआरटी की किताबों पर पहले कभी सवाल नहीं उठे। कई बार हुआ है ऐसा। कई बार इन किताबों में शामिल सामग्री विवादों के घेरे में आयी है। छोटी कक्षाओं में पढ़ाई जाने वाली यह किताबें हमारी भावी पीढ़ी का निर्माण करती हैं। इनकी निष्पक्षता और इनके महत्व की रक्षा होनी ही चाहिए। पर जहां तक न्यायपालिका के सम्मान और प्रतिष्ठा का सवाल है, इससे कोई समझौता नहीं किया जा सकता। न्यायपालिका के प्रति पूरा सम्मान रखने के बावजूद इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि न्याय-व्यवस्था से जुड़े व्यक्ति भी उसी समाज से आते हैं जिसका हम सब हिस्सा हैं।

यह कौन कह सकता है कि हमारा समाज शत-प्रतिशत ईमानदार है? कचरा यदि कहीं है तो उसे कार्पेट के नीचे छुपा देने से सफाई नहीं हो जाती। कचरे के अस्तित्व को स्वीकार करना होगा, तभी सफाई की आशा की जा सकती है। हमारे न्यायालय में विभिन्न स्तरों पर लाखों मामले लंबित पड़े हैं। हमें स्वीकार करना होगा कि न्याय मिलने में देरी का मतलब न्याय न मिलना ही होता है। हकीकत यह भी है कि ऐसे मामलों की संख्या घटने के बजाय लगातार बढ़ती ही जा रही है। न्यायपालिका को स्वयं सोचना होगा कि यह कैसे सुधरे। रहा सवाल कुछ न्यायाधीशों पर भ्रष्टाचार के आरोपों का, तो हमें यह स्वीकारना होगा कि कुछ स्तरों पर खामियां हैं, भ्रष्टाचार है।

याददाश्त को बेहतर बनाता है गुणवत्ता का भोजन

शिवानी ठाकुर

पोषण का हमारे मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि हमारे मूड को बेहतर बनाने में भी पसंदीदा भोजन की जरूरत होती है। वहीं अच्छे भोजन की बड़ी भूमिका हमारी एकाग्रता और याददाश्त को बेहतर बनाने में भी होती है।

सामान्यत: लोगों में आम धारणा रही है कि हम सिर्फ पेट भरने या फिर भूख मिटाने के लिए खाना खाते हैं। लेकिन यदि गहराई से देखें तो भोजन हमारी भूख मिटाने से कहीं ज्यादा काम करता है। सही मायनों में भोजन हमारी जैविक जरूरत तो है, लेकिन इसके सूक्ष्म प्रभावों की हम अनदेखी कर देते हैं। दरअसल, हमारी खाने की आदतें हमारे मनोभावों, विचारों और रोजमर्रा की समस्याओं से निपटने के तौर-तरीकों पर धीरे-धीरे असर डालती हैं। एक बेहद महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि हमारे भोजन की गुणवत्ता का सीधा असर हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। हमारे शरीर के सबसे एक्टिव अंगों में से एक, दिमाग को अपने सबसे अच्छे लेवल पर काम करने के लिए गुणवत्ता के पोषण की जरूरत होती है।

पोषण का हमारे मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा असर पड़ता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि हमारे मूड को बेहतर बनाने में भी पसंदीदा भोजन की जरूरत होती है। वहीं अच्छे भोजन की बड़ी भूमिका हमारी एकाग्रता और याददाश्त को बेहतर बनाने में भी होती है। यह सर्वविदित है कि हमारे दैनिक जीवन में उपयोग किए जाने वाले भोजन के पोषक तत्व शरीर के विकास, जीवन शक्ति के विस्तार और सामान्य कामकाज में कैसे मदद करते हैं। इसके जरिये शरीर के संवर्धन को पोषण कहा जाता है। दरअसल, हमारे भोजन के हर कौर में जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो हमारे शरीर के गतिशील रहने, स्वस्थ व सक्रिय रहने और शरीर के विकास में मदद करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो जब हमारी पोषण संबंधी जरूरतें पूरी होती हैं, तो हम भावनात्मक और शारीरिक रूप से संतुलित महसूस करते हैं। यही वजह शरीर के संतुलित विकास और वृद्धि, बीमारियों की रोकथाम और रोगों के प्रबंधन के लिए पौष्टिक आहार जरूरी होता है। वास्तव में हमारी रोजमर्रा की एनर्जी व इम्यूनिटी बढ़ाने, मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक स्थिरता बढ़ाने में भी गुणवत्ता के भोजन की भूमिका होती है।

यहां एक विचारणीय तथ्य यह भी है कि सामान्य स्वास्थ्य बनाए रखने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए कैसा खाना लेना चाहिए। वहीं एक पहलू यह भी है कि संतुलित भोजन तथा अलग-अलग तरह का खाना खाने के कौन-कौन से फायदे हैं। मानसिक स्वास्थ्य हेतु पोषण का खास फोकस इस बात पर रहता है कि आहार इमोशंस और दिमाग के कामकाज को कैसे प्रभावित करता है। यह हमारी भावनाओं और हम जो खाते हैं, उसके बीच गहरे संबंध पर जोर देता है। हमारे भोजन में विद्यमान विटामिन, मिनरल, हेल्दी फैट, प्रोटीन और दूसरे पोषक तत्व दिमाग के कामकाज को बेहतर बनाते हैं।

ये हमारे मूड को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। कुछ मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का खतरा भी कम कर सकते हैं। यहां उल्लेखनीय तथ्य यह भी है कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए पोषण को प्राथमिकता देने से व्यापक लाभ हासिल किए जा सकते हैं। इसके जरिये तनाव, चिंता व डिप्रेशन के लक्षणों में कमी लायी जा सकती है। साथ ही फोकस, याददाश्त व एकाग्रता में सुधार लाया जा सकता है। इतना ही नहीं, हमारे गुणवत्ता के भोजन से हमारे मनोभावों के नियमन में भी मदद मिलती है। इसके जरिये मुश्किल हालात में भावनात्मक मजबूती में बढ़ोतरी करना संभव हो पाता है। वहीं दूसरी ओर सामान्य मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार करना संभव हो पाता है। यदि इस दिशा में हम सजगता और सचेतनता से खाने की चीजें चुनकर उपयोग करते हैं तो तब हम न सिर्फ अपने शरीर बल्कि अपने दिमाग का भी बेहतर ढंग से पोषण कर सकते हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि हम अपने भोजन में किन-किन वस्तुओं को शामिल कर सकते हैं।

इस बाबत भोजन से जुड़े शोध अनुसंधान बताते हैं कि हम अपने खाने में दिमाग को बेहतर बनाने भोजन में फल, मेवे, बीज, साबुत अनाज या हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर अपने खाने की आदतों में छोटे-मोटे बदलाव करके अपने मूड और मानसिक सेहत को और बेहतर बनाने में सफल हो सकते हैं। निष्कर्षत: कह सकते हैं कि हमारा खाना सिर्फ़ पेट भरने के लिए ही नहीं होता है-यह दिमाग के लिए जानकारी सहेजने का काम भी करता है। हमारे द्वारा लिया गया हर स्वस्थ फैसला हमारे दिमाग को एक सकारात्मक संदेश देता है, जिससे उसे मजबूत, केंद्रित और भावनात्मक रूप से स्थिर रहने में मदद मिलती है। स्वस्थ भोजन का चयन कई तरीके से हमारे मानसिक स्वास्थ्य में योगदान देता है। दूसरे शब्दों में कहें तो एक स्वस्थ दिमाग का क्रियाकलाप हमारे आहार से शुरू होता है-जो हमें पोषण देता है, हमें स्पष्ट रूप से सोचने में सहायता करता है, और हमे आगे बढ़ने में मदद करता है।

कब्ज और हड्डियों में लाभदायक

गुड़ और चने में कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है जो हड्डियों के लिए बहुत लाभदायक होता है। गुड़ और चने के नियमित सेवन से हड्डियां भी स्ट्रॉन्ग होती हैं। इसके सेवन से हड्डियों से जुड़ी बीमारियों से राहत मिलता है। ऐसे में खासकर 30 की उम्र पार चुके लोगों को इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाने की सलाह दी जाती है। गुड़ और चने में मौजूद कैल्शियम और मैग्नेशियम हड्डियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रेगा। गुड़ और चने में फाइबर प्रचुर मात्रा में होता है जो पाचन शक्ति को ठीक रखता है और कब्ज, गैस, एसिडिटी की समस्या से राहत दिलाता है। पेट की कब्ज की समस्या से परेशान है तो भुना चना खाएं। सुबह खाली पेट भुना चना खाने से कब्ज की समस्या से राहत मिल सकती है। इससे डाइजेशन भी अच्छी रहती है. इसके सेवन से पेट से जुड़ी कई और समस्याओं की छुट्टी हो जाती है। एक्सपर्ट्स भी इसे डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं।

मोटापा

यदि आप मोटापे को कम करना चाहते हैं तो गुड़ और चना आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है। कई लोग वजन कम करने के लिए जिम जाकर एक्सरसाइज करते हैं। उन्हें गुड़ और चना का सेवन करना चाहिए। क्योंकि गुड़ और चने एक साथ खाने से शरीर का मेटाबॉलिज्म आता है जो मोटापा को कम करने में मददगार होता है। इसे खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इससे बार-बार खाने से बच जाते हैं। जिससे पाचन शक्ति मजबूत बनी रहती है। चना फाइबर और प्रोटीन से भरपूर है। इसमें कैलोरी कम होती है। यह तेजी से वजन कम करता है। इससे भूख कंट्रोल होता है और पेट की चर्बी कम होती है। चने के छिलके में फाइबर काफी कम मात्रा में मिलता है। चने के साथ उसके छिलकों को खाना फायदेमंद होता है। अगर आप मिड टाइम स्नैक्स में कुछ खाते हैं तो दूसरे स्नैक्स की बजाय चने का सेवन करे। रोस्टेड चना आपकी बॉडी में फैट जमा नहीं होने देता।

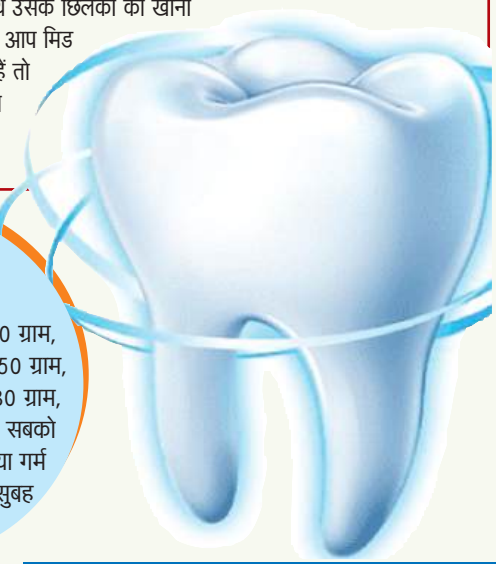

भुना चना

खाने से मसल्स होंगे मजबूत

भुने चने खाने से हमारे शरीर को बहुत लाभ होता है। वहीं जब भुने चने के साथ गुड़ का सेवन किया जाता है तो इसका फायदा कई गुना अधिक हो जाता है। खासकर पुरुषों के लिए इसे खाना काफी फायदेमंद होता है। अक्सर पुरुष बॉडी बनाने के लिए जिम जाकर घंटों पसीने बहाते हैं। ऐसे में उन्हें गुड़ और चने का सेवन करना चाहिए। इसके सेवन करने से मसल्स मजबूत होते हैं और शरीर को नई ऊर्जा प्राप्त होती है। गुड़ और चने में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन मौजूद होता है जो मसल्स को मजबूत बनाने में मददगार होता है। इसलिए यदि आप मसल्स को मजबूत बनाना चाहते हैं तो प्रतिदिन आपको गुड और भुने चने का सेवन करना चाहिए।

चने की मात्रा

भुने चने 200 ग्राम, बादाम 100 ग्राम, काजू 100 ग्राम, खरबूजा बीज 50 ग्राम, खसखस 50 ग्राम, कालीमिर्च 30 ग्राम, धागे वाली मिश्री 300 ग्राम इन सबको पीसकर पाउडर बनाकर दूध या गर्म पानी के साथ 1-1 चम्मच सुबह शाम खाएं।

चेहरा

गुड़ और भुने चने का सेवन करने से चेहरे की चमक बढ़ती है क्योंकि इसमें जिंक मौजूद होता है जो त्वचा पर निखार लाने का काम करता है और नियमित इसके कुछ दिनों तक सेवन करने से आप पहले से ज्यादा स्मार्ट लगने लगते हैं।

दांत मजबूत और दिमाग होता है तेज

गुड़ चना का नियमित सेवन कैविटी को रोकने में मदद करता है क्योंकि इसमें फास्फोरस की मात्रा अधिक होती हैं। चने के साथ गुड़ का सेवन करने से आपके दांतों को फायदा होता है, जिससे वे मजबूत होते हैं। इसकी नियमित सेवन करने से दांत मजबूत होते हैं और जल्दी नहीं टूटते हैं। वहीं गुड़ और चने का सेवन एक साथ करने से याददाश्त शक्ति तेज होती है क्योंकि इसमें विटामिन बी6 प्रचुर मात्रा में होता है जो याददाश्त को बढ़ाता है। क्योंकि विटामिन बी 6 याददाश्त बढ़ाने में मदद करता है जो आपके दिमाग की कार्यक्षमता में सुधार करता है। ऐसे में आप इसे परीक्षा के समय बच्चों की डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। ये उन्हें बेहतर ढंग से चीजों को समझने में मदद करेगा। और बच्चों के इससे दांत और दिमाग दोनों स्वस्थ्य रहेंगे।

हंसना मना है

संता अपनी बीमारी की वजह से डॉक्टर के पास गया, डॉक्टर: आपकी बीमारी की सही वजह मेरी समझ में नहीं आ रही, हो सकता है दारु पीने की वजह से ऐसा हो रहा हो, संता: कोई बात नहीं डॉक्टर साहब, जब आपकी उतर जाएगी तो मैं दोबारा आ जाऊंगा।

संता- यार मुन्नू, पत्नी को बेगम क्यों कहा जाता है? बंता- क्या है की शादी के बाद, सारे गम पति के हो जाते है। तो पत्नी बेगम हो जाती है।

एक बच्चे ने अपनी मां से कहा- मां मैं इतना बड़ा कब हो जाऊंगा कि आपसे बिना पूछे कहीं भी जा सकूं? मां ने भी दिल छू लेने वाला जवाब दिया- बेटा.. इतना बड़ा तो तेरा बाप भी नहीं हुआ आजतक!!

बुढ़िया का दामाद बहुत काला था, सास: दामाद जी आप तो 1 महीना यहां रुको, दूध, दही खाओ मौज करो, आराम से रहो यहां, दामाद: अरे वाह सासु मां आज तो बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे, सास: अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे, वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया है, कम से कम तुम्हे देख कर दूध तो देती रहेगी।

संता: आज मेरी गर्लफ्रेंड का बर्थडे है, उसे क्या दूं? बंता: दिखने में कैसी है? संता: मस्त है। बंता: तो फिर मेरा मोबाइल नंबर दे दे!

कहानी | मां की महिमा

एक बार किसी व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद जी से सवाल किया, दुनिया में मां की महिमा इतनी क्यों है और इसका कारण क्या है? इस सवाल को सुनने के बाद स्वामी जी के चेहरे पर मुस्कान फैल गई। इस सवाल का जवाब देने के लिए उन्होंने उस व्यक्ति के सामने एक शर्त रखी। विवेकानंद जी की शर्त के अनुसार उस व्यक्ति को 5 किलो के पत्थर को एक कपड़े में लपेट कर उसे अपने पेट पर 24 घंटे तक बांधना था और फिर स्वामी जी के पास जाना था। इसके बाद उसे अपने सवाल का जवाब स्वामी विवेकानंद जी से मिलना था। स्वामी जी के कहे अनुसार उस व्यक्ति ने एक पत्थर को अपने पेट पर बांधा और वहां से चला गया। अब उसे पत्थर बांधे-बांधे ही अपना सारा दिनभर का काम करना था, लेकिन उसके लिए ऐसा करना मुश्किल हो रहा था। पत्थर के बोझ के कारण वह जल्दी थक गया। दिन तो जैसे-तैसे गुजर गया, लेकिन शाम होते-होते उसकी हालत खराब हो गई। जब उससे रहा नहीं गया, तो वह सीधा स्वामी जी के पास गया और बोला, स्वामी जी मैं इस पत्थर को ज्यादा समय तक बांधकर नहीं रख सकता। सिर्फ एक सवाल का जवाब जानने के लिए मैं इतना कष्ट नहीं सह सकता। उस व्यक्ति की बात सुनकर स्वामी जी मुस्कुराते हुए बोले, तुम 24 घंटे भी पत्थर का भार संभाल नहीं सके और मां अपनी कोख में बच्चे को नौ महीने तक रखती है और सभी तरह के करती है। इसके बाद भी उसे जरा भी थकान महसूस नहीं होती। इस पूरे संसार में मां जैसा और कोई नहीं है, जो इतना शक्तिशाली और सहनशील हो। मां तो शीतलता और सहनशीलता की मूरत है। मां से बढ़कर इस दुनिया में कोई नहीं है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। काम में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

मिथुन दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी।

सिंह घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृश्चिक बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

धनु नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा।

मकर किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। अपनी बात लोगों को समझा नहीं पाएंगे।

मीन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

शाहरुख खान के साथ काम करना कई एक्टर्स का सपना होता है : सौरभ शुक्ला

लेखक व अभिनेता सौरभ शुक्ला इन दिनों अपनी नई निर्देशित फिल्म 'जब खुली किताब' को लेकर चर्चाओं में हैं। वहीं इसी साल अभिनेता शाहरुख खान के साथ फिल्म 'किंग' में भी नजर आएंगे। हाल ही में सौरभ शुक्ला ने शाहरुख खान के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि लोग शाहरुख के साथ काम करने के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं।

सौरभ शुक्ला ने शाहरुख के साथ काम करने पर कहा कि शाहरुख खान के साथ काम करना कई अभिनेताओं का सपना होता है। हर कोई शाहरुख खान को पसंद करता है। उनके ऑफिस से एक कॉल आ जाए, या वे खुद फोन करें, तो आप उनके साथ काम करने के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाएंगे। हालांकि, इस दौरान सौरभ शुक्ला ने 'किंग' में अपने किरदार को लेकर कुछ भी बताने से साफ इंकार कर दिया। जब उनसे पूछा गया कि फिल्म में उनके कितने सीन हैं, तो सौरभ शुक्ला ने सवाल को टालते हुए कहा कि वे फिल्म के बारे में उतना ही बताएंगे जितना वे बताना चाहते हैं। लोगों को यह जानने के लिए किंग देखनी होगी कि कहानी में उनका क्या रोल है। फिल्म बहुत बड़ी है और कई लोग इसका हिस्सा बनना चाहते हैं। इसमें इंडस्ट्री का 70 प्रतिशत हिस्सा है।

सौरभ शुक्ला इससे पहले शाहरुख खान के साथ बादशाह और हे राम जैसी फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। 'किंग' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। फिल्म में शाहरुख खान के अलावा अभिषेक बच्चन, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, जयदीप अहलावत, रानी मुखर्जी, जैकी श्रॉफ, अरशद वारसी और राघव जुयाल भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी दिखाई देंगी।

सौरभ शुक्ला ने हाल ही में 'जब खुली किताब' का निर्देशन किया है। यह उनके एक मूल नाटक पर आधारित है। यह फिल्म 6 मार्च से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम कर रही है। फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म एक ऐसे दंपत्ति की कहानी है, जिनका लंबे समय से चला आ रहा वैवाहिक जीवन एक रहस्य के उजागर होने से बिखर जाता है।

तारे जमीन पर अभिनेता दर्शील सफारी की हुई नई फिल्म में इंट्री

दर्शील सफारी अब मोहित रैना और प्रियामणि के साथ एक नई अंतरराष्ट्रीय फिल्म में काम करने जा रहे हैं। यह फिल्म भारत और हॉलीवुड के बीच सहयोग की एक बड़ी मिसाल है। यह फिल्म पहचान, परिवार और संस्कृति जैसे विषयों पर आधारित हो सकती है।

तारे जमीन पर से मशहूर हुए दर्शील सफारी अपनी नई फिल्म में एक बहुत महत्वपूर्ण और भावुक भूमिका निभाएंगे। कथित तौर पर दर्शील के लिए यह भूमिका निभाना उनके करियर के लिए बहुत खास होगी। दर्शील का किरदार फिल्म में भारत और विदेश के बीच भावनाओं का पुल बनेगा।

बहरहाल, फिल्म का नाम अभी तय

नहीं हुआ है। इसे मुंबई की कंपनी एज्योर एंटरटेनमेंट और अमेरिका की रेड बाइसन प्रोडक्शंस मिलकर बना रही हैं। एज्योर एंटरटेनमेंट ने बदला, केसरी और रॉकी हैंडसम जैसी फिल्में बनाई हैं। इस फिल्म में मोहित रैना और प्रियामणि पहली बार साथ नजर आएंगे। इस फिल्म को हर्ष महादेश्वर ने लिखा है। इसका निर्देशन भी हर्ष करेंगे। फिल्म अभी प्री-प्रोडक्शन में है और इस साल के आखिर कर फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी।

दर्शील सफारी ने अपनी इस फिल्म को लेकर कहा, यह कहानी मुझे बहुत छू गई है। यह साहस, संवेदना और जीवन के फैसलों के बारे में है। मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूं, क्योंकि यह कहानी दुनिया भर के लोगों की भावनाओं से जुड़ती है। मोहित रैना ने कहा, यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के करीब है। यह पहचान और अपनापन जैसी भावनाओं को सच्चाई से दिखाता है। भारत-हॉलीवुड का यह पहला सहयोग वैश्विक कहानियों के लिए बड़ा कदम है। प्रियामणि ने कहा, कहानी की सच्चाई और भावनाएं मुझे बहुत पसंद आईं। टीम के साथ काम करना बहुत अच्छा अनुभव है। यह फिल्म सीमाओं से परे सबको जोड़ेगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरे लिए कहानी की भावनाएं सबसे जरूरी हैं : पंकज कपूर

पंकज कपूर की गिनती इंडस्ट्री के दिग्गज कलाकारों में होती है। वो कम मगर दमदार फिल्मों व किरदारों में नजर आते हैं। हाल ही में पंकज कपूर सौरभ शुक्ला के निर्देशन में बनी फिल्म 'जब खुली किताब' में नजर आए हैं। इस बीच पंकज कपूर ने मौजूदा वक्त में दर्शकों की रुचि को लेकर बात की। उन्होंने समझाया कि आजकल दर्शक कहानियों और विषयों को किस तरह से देखते और समझते हैं। पंकज कपूर ने तर्क दिया कि हर कोई हिंसक फिल्म देखकर हत्या करने की इच्छा नहीं रखता। पंकज कपूर ने बताया कि कहानी की भावनाओं को दिखाना उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण था। फिर, यह मेरे दर्शकों पर निर्भर करता है कि वे उस विषय से क्या निष्कर्ष निकालना चाहते हैं। कुछ लोग इसे उस तरह से ले सकते हैं जिसके बारे में लेखक, निर्देशक या अभिनेताओं ने भी कभी सोचा नहीं होगा। यह किसी विषय के प्रति हर व्यक्ति के दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, अगर कोई फिल्म सुपरहिट हो जाती है और वह बेहद हिंसक फिल्म है, तो क्या हम यह कहना चाह रहे हैं कि दर्शकों में बैठा हर व्यक्ति हत्या करना चाहता है? क्या हम यह कहना चाह रहे हैं कि हर व्यक्ति के हाथ में चाकू है और वह लोगों के पेट और चेहरे पर वार करना चाहता है? ऐसा नहीं है। हो सकता है कि वे इससे यह निष्कर्ष निकालें कि ऐसा नहीं होना चाहिए। सौरभ शुक्ला द्वारा निर्देशित 'जब खुली किताब' एक मूल नाटक पर आधारित है। जिसमें सौरभ शुक्ला ही प्रमुख भूमिका में नजर आते हैं। लेकिन फिल्म में पंकज कपूर और डिंपल कपाड़िया मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 6 मार्च से ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर स्ट्रीम कर रही है। यह फिल्म एक ऐसे दंपत्ति की कहानी है, जिनका लंबे समय से चला आ रहा वैवाहिक जीवन एक रहस्य के उजागर होने से बिखर जाता है। फिल्म में अपारशक्ति खुराना, समीर सोनी, नौहीद साइरुसी और मानसी पारेख भी अहम भूमिकाओं में हैं।

इस तालाब में 100 से ज्यादा खूंखार मगरमच्छ फिर भी बिना डरे पानी में उतर जाती हैं महिलाएं!

दुनियाभर में एक से बढ़कर एक खतरनाक जगहें हैं, जहां जाने का मतलब मौत को बुलावा देने जैसा है। लेकिन इसके बावजूद उन जगहों पर खूंखार जानवर और इंसान एक साथ रहते हैं। चाहे वो अमेजन के घने जंगल हों या अफ्रीकन ट्राइब्स, लेकिन क्या आप भारत की ऐसी ही खतरनाक जगह के बारे में जानते हैं? अगर नहीं जानते तो बता दें कि गुजरात के आनंद जिले में एक ऐसा ही गांव हैं, जहां पर मगरमच्छ और इंसान एक-दूसरे के साथ बेखौफ नजर आते हैं। जिस तलाब में दर्जनों मगरमच्छ हैं, उसी तलाब में महिलाएं घुस जाती हैं और अपना काम बेखौफ करती हैं। लेकिन मगरमच्छ उन्हें नुकसान तक नहीं पहुचाते। ऐसा लगता है मानो मगरमच्छ कोई पालतू जानवर हैं। इस गांव का नाम है मलातज, जिसे 'पिंक विलेज' भी कहा जाता है। यह अपनी खूबसूरती के साथ-साथ अपने खतरनाक निवासियों के लिए मशहूर है। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि इस गांव के तालाबों में 60 से 100 के करीब विशालकाय मगरमच्छ रहते हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां की महिलाएं तालाब के किनारे बेखौफ होकर कपड़े धोती हैं और बच्चे पास में ही खेलते हैं। गांव वालों का दावा है कि इन मगरमच्छों ने आज तक किसी भी इंसान पर हमला नहीं किया है। इस वजह से वे इन्हें केवल जीव नहीं, बल्कि 'खोड़ियार माता' का वाहन मानकर इन मगरमच्छों की पूजा करते हैं। सिर्फ मलातज ही नहीं, पास के देवा गांव में तो मगरमच्छों की संख्या 100 से भी ज्यादा है। मानसून के दौरान जब तालाब भर जाते हैं, तो ये 10-12 फुट लंबे शिकारी गांवों की सड़कों और कभी-कभी घरों के अंदर तक घुस आते हैं। यहां के लोगों के लिए मगरमच्छों के बीच रहना बिल्कुल वैसा ही है, जैसे हम अपने पड़ोसियों के साथ रहते हैं। यहां के लोग बताते हैं कि मगरमच्छ बहुत ही धैर्यवान शिकारी होते हैं और घंटों तक धूप सेंकने के लिए अपना मुंह खोलकर जमीन पर पड़े रहते हैं। हालांकि, ये मांसाहारी जीव हैं और पक्षियों या मछलियों का शिकार करते हैं, लेकिन इंसानों के प्रति इनका व्यवहार बहुत शांत रहता है। पेटली गांव में तो तालाब के पास एक बोर्ड लगा है, जिस पर लिखा है- देखो मगर प्यार से। यह बोर्ड यहां के लोगों और इन खतरनाक जीवों के बीच के अनोखे रिश्ते को बयां करता है।

अजब-गजब | यहां सबसे छोटी बेटी होती है जायदाद की वारिस

इस जनजाति में शादी के बाद लड़कों की होती है विदाई

पूरी दुनिया में रिवाज है कि शादी के बाद लड़कियां विदा होकर पिया के घर जाती हैं, लेकिन क्या आपने किसी ऐसी जगह के बारे में सुना है, जहां पर शादी के बाद लड़कों की विदाई होती है, जबकि जायदाद की वारिस घर की सबसे छोटी बेटी होती है? शायद कई लोगों को इस बारे में जानकारी नहीं होगी। ऐसे में बता दें कि भारत के मेघालय में कुछ ऐसा ही होता है। यहां की पहाड़ियों में रहने वाली खासी जनजाति में दूल्हे की विदाई होती है और वह अपना घर छोड़कर पत्नी के घर रहने चला जाता है। दूसरी ओर घर की बेटियां अपने पति को ब्याह कर घर ले आती हैं। दुनिया में अपनी अनूठी परंपराओं के लिए पहचानी जाने वाली यह जनजाति पितृसत्तात्मक सोच को पूरी तरह चुनौती देती है। यहां परिवार की मुखिया मां होती है और उसी के नाम से वंश चलता है। लेकिन यहां जायदाद को लेकर एक ऐसा नियम है, जो इसे और भी अनोखा बना देता है। दरअसल, यहां परिवार की सारी धन-दौलत और जमीन-जायदाद सिर्फ और सिर्फ सबसे छोटी बेटी के नाम होती है। खासी समाज में इस परंपरा को 'का खद्दुह' कहा जाता है। इसका सीधा मतलब यह है कि माता-पिता की जायदाद की वारिस सारी बेटियां नहीं, बल्कि सिर्फ सबसे छोटी बेटी ही होगी। बड़ी बेटियों को संपत्ति में कोई हिस्सा नहीं दिया जाता।

हालांकि, छोटी बेटी को यह मालकिन का हक किसी तोहफे की तरह नहीं मिलता, बल्कि इसके बदले उसे भारी जिम्मेदारियां उठानी पड़ती हैं। घर की 'खद्दुह' यानी सबसे छोटी बेटी का यह फर्ज होता है कि वह अपने बूढ़े माता-पिता की अंतिम सांस तक सेवा करे। इसके अलावा, घर के अविवाहित या जरूरतमंद भाई-बहनों को सहारा देना और उनका ख्याल रखना भी उसी की जिम्मेदारी होती है। वह परिवार के धार्मिक रीति-रिवाजों और पूर्वजों की पूजा की मुख्य रक्षक मानी जाती है। खास बात यह है कि भले ही वह जायदाद की मालिक है, लेकिन वह पुश्तैनी जमीन या घर को अपनी मर्जी से बेच नहीं सकती। इसके लिए उसे अपने मामा या परिवार के अन्य पुरुष सदस्यों की सलाह और इजाजत लेनी पड़ती है। संपत्ति और उत्तराधिकार के इन नियमों का असर यहां के सामाजिक जीवन पर भी साफ दिखाई देता है। मेघालय के बाजारों में चले जाइए, तो आपको ज्यादातर दुकानों पर महिलाएं ही कमान संभालती नजर आएंगी। यहां औरतों को आर्थिक रूप से इतना मजबूत माना जाता है कि वे न केवल घर चलाती हैं, बल्कि समाज की अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ भी होती हैं। दिलचस्प बात यह भी है कि यदि किसी परिवार में कोई बेटी पैदा नहीं होती, तो वहां के लोग इसे 'वंश का अंत' मान लेते हैं। ऐसी स्थिति में परिवार को किसी दूसरी लड़की को गोद लेना पड़ता है, जिसे वे अपनी 'खद्दुह' मानते हैं ताकि विरासत और वंश का नाम आगे बढ़ सके। बिना बेटी के खासी समाज में परिवार अधूरा माना जाता है, इसलिए यहां बेटियों के जन्म पर मातम नहीं, बल्कि ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया जाता है। यहां की परंपराएं बताती हैं कि बेटियां केवल घर की शोभा नहीं, बल्कि वंश की रक्षक और अगली पीढ़ी की बुनियाद होती हैं। यहां शादी का तरीका भी बाकी दुनिया से हटकर है। खासी समुदाय में दहेज की कोई जगह नहीं है और न ही लड़के वाले शादी के लिए कोई शर्त रखते हैं। जब कोई लड़का किसी लड़की को पसंद करता है और विवाह तय होता है, तो वह अपने पैतृक घर छोड़कर पत्नी के घर हमेशा के लिए बस जाता है। यहां बच्चों का उपनाम पिता का नहीं, बल्कि मां का होता है।

बंगाल में नहीं थम रहा सीईसी का विरोध

पूरे बंगाल में ज्ञानेश कुमार वापस जाओ के लगे नारे

» कालीघाट मंदिर में काले झंडे दिखाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विपक्षी दल ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए नोटिस लाएंगे

कोलकाता। लगातार तीसरे दिन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ा। मंगलवार सुबह दक्षिणेश्वर काली मंदिर की उनकी यात्रा के दौरान लोगों के एक समूह ने वापस जाओ के नारे लगाए और उन्हें काले झंडे दिखाए। रविवार रात को कोलकाता पहुंचने पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर भी इसी तरह का विरोध प्रदर्शन हुआ था। ज्ञानेश कुमार को सोमवार को वापस जाओ के नारों का सामना करना पड़ा। सोमवार सुबह जब वे शहर के दक्षिणी हिस्से में स्थित कालीघाट मंदिर गए, तो उन्हें वापस जाओ के नारों का सामना करना पड़ा और काले झंडे दिखाए गए। विरोध प्रदर्शनों के बावजूद, कुमार ने राज्य में अपने निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लिया।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने आज सुबह हावड़ा जिले के बेलूर मठ का भी दौरा किया और कहा कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में हिंसा-मुक्त चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि मतदाता उत्सवपूर्ण माहौल में अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। बेलूर मठ के दौरे के दौरान मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करना चाहता है कि चुनाव हिंसा या धमकी से मुक्त हों। मुख्य चुनाव आयुक्त वर्तमान में राज्य के दौरे पर हैं और विधानसभा चुनावों से पहले सोमवार को उन्होंने राजनीतिक दलों और अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। सूत्रों के मुताबिक, विपक्षी दल पहली बार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए एक प्रस्ताव लाने जा रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि नोटिस का मसौदा तैयार है और संभवत: इस सप्ताह प्रस्तुत किया जाएगा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक वरिष्ठ सांसद, जो महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में शामिल रहे हैं, ने कहा कि यह पूरी तरह से सामूहिक प्रयास है। टीएमसी नेता ने पीटीआई को बताया, मसौदा तैयार करना और योजना बनाना वास्तव में सभी समान विचारधारा वाले दलों का सामूहिक प्रयास रहा है। दोनों सदनों में इसका क्रियान्वयन भी पूर्ण सहयोगात्मक होगा। टीएमसी नेता ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ने अपने पद की गरिमा को पूरी तरह से धूमिल कर दिया है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने दी धमकी : अभिषेक बनर्जी

टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य प्रशासन को स्थानांतरण और अन्य राज्यों के पुलिस कर्मियों की तैनाती की धमकी दी। बनर्जी ने यह चुनौती निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान कथित तौर पर बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने के विरोध में आयोजित एक धरने के दौरान दी। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर सीधा प्रहार करते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की। बनर्जी ने निर्वाचन आयोग द्वारा एसआईआर के दौरान मतदाताओं के नाम कथित तौर पर बड़े पैमाने पर हटाए जाने के खिलाफ धरने पर एक सभा को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने शाह के स्वच्छ और बेदाग शासन के आह्वान को पाखंड बताया और सोहराबुद्दीन शेख फर्जी मुठभेड़ मामले के संबंध में उनकी गिरफ्तारी का उल्लेख किया। वर्ष 2010 में, गुजरात के तत्कालीन गृह राज्य मंत्री शाह को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने गिरफ्तार किया था और मामले के सिलसिले में साबरमती केंद्रीय जेल में रखा गया था। जमानत मिलने से पहले उन्होंने दो महीने से अधिक समय जेल में बिताया और बाद में उन्हें सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया। शाह ने कहा था कि आरोप केंद्र में तत्कालीन कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा गढ़े गए थे और राजनीति से प्रेरित थे। यह हमला ऐसे समय में आया है जब बंगाल में चुनावी सरगर्मी और प्रशासनिक नियुक्तियों को लेकर केंद्र और राज्य के बीच तनाव चरम पर है। टीएमसी इस मुद्दे को बंगाली अस्मिता और लोकतांत्रिक अधिकारों से जोड़कर देख रही है, जबकि भाजपा इसे भ्रष्टाचार के मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश बता रही है।

मुश्किल वक्त में कश्मीरी ईरान के साथ : महबूबा

» ईरानी दूतावास पहुंचीं पीडीपी प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को दिल्ली स्थित ईरानी सांस्कृतिक केंद्र और ईरान के दूतावास का दौरा कर ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के निधन पर शोक व्यक्त किया। खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों में शहीद हो गए थे। मुफ्ती ने कहा कि वह ईरान के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और नेता को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ ईरान में फंसे कश्मीरी छात्रों का मुद्दा उठाने आई थीं। एक्स पर एक पोस्ट में मुफ्ती ने कहा कि मैंने इस कठिन समय में ईरान के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करने के लिए दिल्ली स्थित ईरानी सांस्कृतिक केंद्र और दूतावास का दौरा किया और अयातुल्ला अली खामेनेई की शहादत पर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

मैंने राजदूत के साथ ईरान में फंसे कश्मीरी छात्रों का मुद्दा भी उठाया। पत्रकारों से बात करते हुए मुफ्ती ने कहा कि वह ईरानी जनता के प्रति सहानुभूति व्यक्त करने और उनके साथ एकजुटता दिखाने आई हैं। उन्होंने कहा कि हम यहां ईरान के लोगों को उनके प्रियजनों के खोने पर अपनी संवेदना व्यक्त करने और महान ईरानी सर्वोच्च नेता की शहादत पर श्रद्धांजलि अर्पित करने आए हैं। साथ ही, हम ईरान के लोगों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि कश्मीरी लोग उनके साथ हैं। वे ईरान के साहसी और दृढ़ लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि चल रहे संघर्ष के दौरान ईरान के लिए प्रार्थना की जा रही है। उन्होंने कहा कि हम बुराई के खिलाफ इस युद्ध में उनकी जीत के लिए प्रार्थना कर रहे हैं क्योंकि ईरान एपस्टीन गिरोह के खिलाफ अकेले लड़ रहा है। एपस्टीन फाइलों में जिन लोगों का नाम आया है, वे सभी इस समय बेंजामिन नेतन्याहू के साथ खड़े हैं। मैं यहां ईरान के लोगों के दृढ़ संकल्प और साहस को सलाम करने आई हूं। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने भी दूतावास का दौरा किया और खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए।

बीसीसीआई ने की भारतीय टीम पर पैसों की बारिश

» टी20 विश्वकप जीतने पर 131 करोड़ रुपये का इनाम किया घोषित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टी20 विश्वकप 2026 में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम के लिए बड़ी इनामी राशि का एलान किया है। बोर्ड ने मंगलवार को घोषणा की कि पूरे भारतीय दल को 131 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। यह इनाम खिलाड़ियों के साथ-साथ कोचिंग स्टाफ और टीम के अन्य सपोर्ट स्टाफ को भी दिया जाएगा। इस राशि में 15 खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ और अन्य सपोर्ट स्टाफ को शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि इनाम की रकम में सबसे बड़ा हिस्सा खिलाड़ियों को मिलेगा, जबकि सपोर्ट स्टाफ को मिलने वाली राशि उनकी जिम्मेदारी और पद के अनुसार तय की जाएगी।

इस बार घोषित 131 करोड़ रुपये की इनामी राशि 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद दिए गए 125 करोड़ रुपये से ज्यादा है। यानी इस बार बोर्ड ने पिछले पुरस्कार की तुलना में छह करोड़ रुपये अधिक देने का फैसला किया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने टीम को बधाई देते हुए कहा, बोर्ड खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और चयनकर्ताओं को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए एक बार फिर बधाई देता है और भविष्य के लिए उन्हें लगातार सफलता की शुभकामनाएं देता है। इस जीत के साथ भारत पुरुष टी20 वर्ल्ड कप तीन बार जीतने वाली पहली टीम बन गया। इस उपलब्धि के साथ ही टीम इंडिया ने टी20 क्रिकेट के इतिहास में खुद को सबसे सफल टीमों में और मजबूत तरीके से स्थापित कर लिया। भारत ने पहली बार लगातार तीन आईसीसी ट्रॉफीज भी जीती हैं।

बुमराह अब कहलाने लगे गेंदबाजी के तेंदुलकर!

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट में जब महान खिलाड़ियों की चर्चा होती है तो सबसे पहले नाम सचिन तेंदुलकर का लिया जाता है। उन्होंने बल्लेबाजी को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया, वह आज भी बेमिसाल है, लेकिन अगर गेंदबाजी की बात की जाए तो आज के दौर में एक ऐसा खिलाड़ी है जिसकी तुलना सचिन के प्रभाव से की जा सकती है, और वह खिलाड़ी हैं जसप्रीत बुमराह। कई क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि बुमराह भारतीय गेंदबाजी के सचिन तेंदुलकर हैं। दोनों की कला अलग है, एक बल्ले से जादू करता था, दूसरा गेंद से, लेकिन प्रभाव, क्रिकेटिंग समझ और बड़े मौकों पर प्रदर्शन की क्षमता के मामले में दोनों में अद्भुत समानता दिखती है। दोनों खिलाड़ियों में एक बात बेहद समान है, अपने खेल पर जबरदस्त नियंत्रण। चाहे बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी, दोनों अपने कौशल के ऐसे उस्ताद रहे हैं जो मैच की दिशा बदल सकते हैं। बड़े मुकाबलों में प्रदर्शन करना भी उनकी खासियत रही है। सचिन जब मैदान में उतरते थे तो विपक्षी टीम दबाव में आ जाती थी। आज वही स्थिति बुमराह के साथ देखने को मिलती है, खासकर सीमित ओवरों के क्रिकेट में।

बिम्ब कला केन्द्र का होली मिलन, जमा रंग

» गीत व नृत्य में झूमे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिंब कला केंद्र लखनऊ परिवार का होली मिलन रंगोत्सव कार्यक्रम सोल्लास मनाया गया, जिसके संयोजक रज्जन लाल एवं संचालक महासचिव महेश पाण्डेय थे। कार्यक्रम में शिरकत करते हुए सुप्रसिद्ध लोक गायिका पदमा गिडवानी के अतिरिक्त अशोक कुमार, अवधेश श्रीवास्तव, दिनेश श्रीवास्तव, उदय भान पाण्डेय व सुनील ने संगीत की रिमझिम फुहारों से सभी सम्मानित जनमानस को सराबोर कर दिया। अति मनोहारी होली नृत्यों में ईशा- मिश्रा रतन सिस्टर्स ने अद्भूत प्रदर्शन कर खूब तालियाँ बटोरी।बीच-बीच में सुप्रसिद्ध वरिष्ठ हास्य कवियों में सूर्यकुमार पांडेय, राजेश अरोरा शलभ और श्याम मिश्र ने अपनी हास्य कविताओं से सभी श्रोताओं को ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में कैप्टन राजेंद्र नाथ के मैंडोलिन वादन और बृजेंद्र प्रताप सिंह के भोजपुरी होली गीत के पश्चात राजेश अरोरा शलभ ने चर्चित गीत होली खेलत नंदलाल कोरस के साथ गाकर वास्तव में वातावरण में होली का रंग जमा ही दिया। कार्यक्रम का समापन सभी दर्शकों के साथ सभी कलाकारों द्वारा फूलों की होली खेलते हुआ । कार्यक्र म में नगर के उद्योगपति डी.डी.वाधवा, आर्मी से सेवा निवृत्त कर्नल सुनील सहित बिम्ब परिवार के सदस्य व उनके परिजन भारी संख्या में उपस्थित रहे।

मैं किससे मिलूंगा, बता नहीं सकता: शिवकुमार

» कहा- कांग्रेस के उच्च कमान के नेताओं से मुलाकात करूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि वे राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस के उच्च कमान के नेताओं से मुलाकात करेंगे। राष्ट्रीय राजधानी के कर्नाटक भवन में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा कि मुझे हमारे उच्च कमान के नेताओं से मिलना होगा... मैं यह सार्वजनिक रूप से नहीं बता सकता कि मैं दिल्ली में किससे मिलूंगा। उन्होंने कहा कि मैं सबसे मिलूंगा... आप रिपोर्ट कर रहे हैं कि डीके दिल्ली गए हैं, लेकिन नेताओं ने समय नहीं दिया और इंतजार कर रहे हैं, इसलिए मैं भी इंतजार करूंगा।

शिवकुमार ने कहा कि दिल्ली की उनकी यात्रा पुणे में एक निजी कार्यक्रम के बाद हुई, जहां वे एक मित्र की शादी में शामिल हुए थे। आज सुबह, शिवकुमार ने दिल्ली में असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पुणे में मेरे दोस्त के घर शादी का कार्यक्रम था, इसलिए मैं कल दिल्ली आया था। आज मेरी मुलाकात असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से हुई। आज कई बैठकें हैं। कांग्रेस पार्टी कार्यालय में पार्टी में शामिल होने का कार्यक्रम है। उपमुख्यमंत्री ने केपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में अपने छह साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कल सभी राज्य विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया है। कल केपीसीसी अध्यक्ष के रूप में मेरे छह साल पूरे हो जाएंगे, और इसी संदर्भ में मैंने सभी विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया है। एक और दिन, हमारे पराजित उम्मीदवारों और जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया जाएगा।

यहां कोई अलग चर्चा नहीं होगी

फिलहाल, चल रहे सत्र को देखते हुए, मैंने विधायकों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया है। जब उनसे पूछा गया कि क्या शिवकुमार की दिल्ली यात्रा, भले ही यह एक निजी कार्यक्रम है, का मतलब अलग चर्चाएँ होना है, तो उन्होंने कहा, कोई अलग चर्चा नहीं होगी। अटकलें लगाने की कोई जरूरत नहीं है। कल (मंगलवार) रात्रिभोज है और परसों कांग्रेस विधायक दल की बैठक है। असम चुनावों के लिए कांग्रेस के 42 उम्मीदवारों की सूची जारी होने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि 42 उम्मीदवारों की सूची पहले ही जारी हो चुकी है और आज एक और चयन समिति की बैठक है। मैं इस समिति में नहीं हूं। मेरी जिम्मेदारियां अलग हैं।

सड़क से संसद तक घमासान विपक्ष ने की जमकर नारेबाजी

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश, 10 घंटे का दिया समय, सदन में चर्चा जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र का दूसरे चरण के दूसरे दिन भी संसद से सड़क तक हंगामा होता रहा लोकसभा में विपक्ष स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने की तैयारी करने के लिए नारेबाजी करता रहा है। बाद में लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश हुआ और चर्चा के लिए 10 घंटे का दिया समय गया। सदन में चर्चा जारी है।

इससे पहले कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने घोषणा की थी कि यदि सदन सुचारू रूप से चलता है तो विपक्ष, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करेगा। 118 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित इस प्रस्ताव में अध्यक्ष पर राहुल गांधी को बोलने न देने और पक्षपातपूर्ण व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है। प्रस्ताव पेश करने वाले तीन कांग्रेस सांसदों में से एक सुरेश ने बताया कि सोमवार को बार-बार स्थगन के कारण सदन सुचारू रूप से नहीं चल पा रहा था, इसलिए वे ऐसा नहीं कर सके। उन्होंने एएनआई को बताया कि अगर सदन सुचारू रूप से चलता है तो आज हम यह प्रस्ताव पेश करेंगे। कल सदन सुचारू रूप से नहीं चल रहा था।

118 विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें विपक्ष के नेता राहुल गांधी को कथित तौर पर सदन में बोलने नहीं दिए जाने के बाद अध्यक्ष के पक्षपातपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाया गया है। सदन की अनुमति मिलने पर प्रस्ताव पेश किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू प्रस्ताव पर चर्चा शुरू करेंगे। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर, निशिकांत दुबे, रवि शंकर प्रसाद और भर्तृहरि महताब इस विषय पर अपने विचार रखेंगे। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के चिराग पासवान भी चर्चा के दौरान सदन को संबोधित करेंगे। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई, मनीष तिवारी, दीपेंद्र सिंह हुड्डा और ज्योतिमणि लोकसभा अध्यक्ष को हटाने की मांग वाले प्रस्ताव के पक्ष में अपना पक्ष रखेंगे।

लोकसभा से निलंबित सांसद भी शामिल

प्रदर्शनकारियों में वे सांसद भी शामिल थे जिन्हें बजट सत्र के पहले चरण में अव्यवस्थित व्यवहार के कारण सत्र के शेष भाग के लिए लोकसभा से निलंबित कर दिया गया था। इस बीच, दोनों सदनों की कार्यवाही शुरू होने पर, भाजपा सांसद संध्या राय ने लोकसभा में सत्र की अध्यक्षता की और संसद के उच्च सदन में अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने सत्र की अध्यक्षता की। विपक्षी सदस्यों ने सदन के वेल से तख्तियां प्रदर्शित कीं और नारे लगाए।

पश्चिम एशिया संघर्ष पर विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान से संतुष्ट नहीं : सुरेश

इस बीच, कांग्रेस सांसद सुरेश ने कहा कि विपक्षी नेता पश्चिम एशिया संघर्ष पर विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान से संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की है। के सुरेश ने कहा कि हमने पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा की मांग उठाई, लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं है। विपक्ष ने इसलिए स्थगन प्रस्ताव पेश किया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। केवल विदेश मंत्री का बयान आया, लेकिन हम उससे संतुष्ट नहीं हैं और विस्तृत चर्चा चाहते हैं। इससे पहले सोमवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने दोनों सदनों को सूचित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर व्यक्तिगत रूप से नजर रख रहे हैं। सदन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने पुष्टि की कि सरकार ने ईरान में रहने वाले भारतीय नागरिकों के लिए औपचारिक सलाह जारी की है और इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिक चिंता बनी हुई है।

विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार की सीढ़ियों पर विरोध प्रदर्शन किया

मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने संसद के प्रवेश द्वार मकर द्वार की सीढ़ियों पर विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम एशिया में संघर्ष से निपटने के सरकार के तरीके के खिलाफ नारे लगाए। उन्हें पोस्टर और एक बैनर पकड़े देखा गया जिस पर लिखा था %प्रधानमंत्री समझौता कर चुके हैं। बैनर पर प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ तस्वीरें थीं।

सरकार पश्चिम एशियाई संकट पर चर्चा करने को तैयार नहीं : राहुल गांधी

» नेता प्रतिपक्ष बोले- पीएम मोदी संसद का सामना नहीं कर पाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि सरकार संसद में पश्चिम एशियाई संकट पर चर्चा करने को तैयार नहीं है, क्योंकि इससे यह उजागर हो जाएगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका और इज़राइल के दबाव में कैसे झुक गए हैं। कांग्रेस सांसद ने कहा कि पश्चिम एशिया की स्थिति जनता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती है, क्योंकि वहां के संघर्ष से तेल की कीमतों में वृद्धि हो सकती है।

रायबरेली सांसद ने कहा कि पश्चिम एशिया संकट से कितना नुकसान होगा? एक बड़े बदलाव की दिशा में संघर्ष चल रहा है। इससे हमारी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। आपने शेयर बाजार देखा। गांधी ने कहा कि अगर पश्चिम एशिया संकट पर दोनों सदनों में चर्चा हुई तो प्रधानमंत्री संसद का सामना नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि हम इसे महत्वपूर्ण मानते हैं और इस पर चर्चा चाहते हैं... लेकिन वे चर्चा नहीं करना चाहते क्योंकि इससे अन्य बातें सामने आएंगी, प्रधानमंत्री की छवि खराब होगी। उनका पर्दाफाश हो जाएगा। यह बात सामने आ जाएगी कि वे कैसे समझौता कर रहे हैं और कैसे उन्हें ब्लैकमेल किया जा रहा है। इसलिए वे चर्चा नहीं करना चाहते। आपने देखा कि प्रधानमंत्री संसद से कैसे भाग गए। मैं आपको बता रहा हूं, वे नहीं आ पाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका के साथ समझौता किया है। देश को बड़ा झटका लगने वाला है। तो फिर इस पर चर्चा करने में उन्हें क्या समस्या है? हम इसके बाद अन्य मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। क्या पश्चिम एशिया महत्वपूर्ण नहीं है? क्या ईंधन की कीमतें और आर्थिक तबाही चर्चा के महत्वपूर्ण विषय नहीं हैं?

राहुल गांधी के बयान कर दिया काम यूथ कांग्रेस वालों ने को लेकर भाजपा बिफरी

भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) के माध्यम से राहुल गांधी पर हमला बोला। मालवीय ने कांग्रेस नेता और उनके नेतृत्व में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित

एआई समिट को बाधित करने और नग्न प्रदर्शन करने की घटना को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी। मालवीय ने कहा कि राहुल गांधी बड़े गर्व से कह रहे हैं कि दिया काम यूथ कांग्रेस वालों जबकि असल में इस प्रदर्शन ने पूरी दुनिया के सामने भारत की छवि को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने लिखा जब दुनिया भर के शीर्ष तकनीकी विशेषज्ञ, नीति-निर्माता और इनोवेटर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के भविष्य पर चर्चा कर रहे थे, तब कांग्रेस पार्टी को लगा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का सबसे अच्छा तरीका अराजकता और अशोभनीय प्रदर्शन है। विडंबना यह है कि जिस जवाहरलाल नेहरू को कांग्रेस अपना वैचारिक स्तंभ मानती है, उन्होंने कभी राष्ट्रीय चरित्र और निष्ठा को लेकर बिल्कुल अलग दृष्टिकोण रखा था। 1950 के दशक में, जब महाराजा यशवंतराव होलकर द्वितीय के निधन के बाद इंदौर की गद्दी के उत्तराधिकार का सवाल उठा, तब यह मुद्दा सामने आया कि क्या उनकी अमेरिकी पत्नी से जन्मे बेटे रिचर्ड होलकर को होलकर वंश की विरासत मिलनी चाहिए।

न्यायपालिका पर विवादित अध्याय के बाद कक्षा आठ की पूरी किताब वापस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में न्यायपालिका से जुड़े एक अध्याय पर उपजे विवाद के बाद बिना शर्त और बिना किसी योग्यता के माफी मांग ली है। परिषद ने न केवल माफी मांगी है, बल्कि उस पूरी किताब को ही बाजार और डिजिटल प्लेटफॉर्म से वापस ले लिया है।

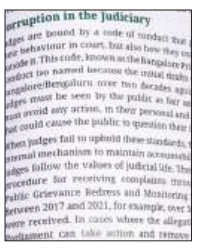

एनसीईआरटी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए घोषणा की कि विवादित अध्याय (अध्याय 4) के लिए परिषद के निदेशक और सदस्य खेद प्रकट करते हैं। एनसीईआरटी ने अपनी एडवाइजरी में कहा है कि जिस किसी के पास भी इस प्रतिबंधित किताब की प्रतियां हैं, वे इसे तुरंत परिषद के मुख्यालय में वापस कर दें। केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और आईटी मंत्रालय को पत्र लिखकर निर्देश दिया है कि इस किताब से संबंधित किसी भी सामग्री को डिजिटल प्लेटफॉर्म या सोशल मीडिया से तुरंत हटाया जाए।

एनडीए सरकार को सुप्रीम आदेश

» शीर्षकोर्ट ने कहा- कोविड वैक्सीन के गंभीर साइड इफेक्ट्स के लिए मुआवजा नीति बनाएं केंद्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र को कोविड-19 वैक्सीनेशन के बाद होने वाले गंभीर साइड इफेक्ट्स के लिए नो-फॉल्ट मुआवजा नीति बनाने का निर्देश दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि वैक्सीनेशन के बाद होने वाली साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा।

जस्टिस नाथ ने फैसला सुनाते हुए कहा, टीकाकरण के बाद होने वाले साइड इफेक्ट्स के साइंटिफिक असेसमेंट के मौजूदा सिस्टम को देखते हुए कोर्ट द्वारा नियुक्त किसी अलग एक्सपर्ट बॉडी की जरूरत नहीं समझी जाती है। बेंच ने साफ किया कि उसका फैसला किसी भी व्यक्ति को कानून में मौजूद दूसरे उपायों को अपनाने से नहीं रोकेगा। कोर्ट ने कहा, इसी तरह नो-फॉल्ट फ्रेमवर्क बनाने का मतलब यह नहीं निकाला जाएगा कि भारत संघ या किसी दूसरे प्राधिकरण ने अपनी जिम्मेदारी या गलती मान ली है। टॉप कोर्ट ने उन याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया, जिनमें यह आरोप भी था कि 2021 में कोविशील्ड वैक्सीन की पहली डोज लेने के बाद दो महिलाओं की जान चली गई थी।

अरुणाचल प्रदेश जंगलों में लगी भीषण आग हेलिकॉप्टर से बरसाया 66,000 लीटर पानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के पासीघाट स्थित मेबो और सिगर के जंगलों में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए भारतीय वायुसेना ने मोर्चा संभाल लिया है। मंगलवार को वायुसेना ने एक त्वरित और सटीक अभियान चलाते हुए अपने शक्तिशाली एमआई-17 वी 5 हेलिकॉप्टर को तैनात किया, जिसने कई उड़ानों के जरिए रिहायशी इलाकों की ओर बढ़ती लपटों पर काबू पाया।

इंडियन एयर फ़ोर्स (आईएएफ) ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश में पासीघाट के मेबो और सिगार इलाकों में जंगल में लगी भीषण आग को बुझाने के लिए एक तेज़ और दमदार फायरफाइटिंग मिशन शुरू किया। आग पर काबू पाने के लिए एक रूद्र-17 वी 5 हेलीकॉप्टर तैनात किया गया, जिसने आस-पास की बस्तियों को बचाने के लिए कई सॉर्टीज़ में 66,000 लीटर पानी छोड़ा।

गुरुग्राम में मिट्टी धंसने से दीवार गिरी, 7 मजदूरों की मौत

» कई अन्य के दबे होने की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा के गुरुग्राम जिले में निर्माणाधीन दीवार के ढह जाने से सात मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना सोमवार शाम गुरुग्राम के सिधरावली इलाके में स्थित सिग्नेचर ग्लोबल सोसाइटी में हुई।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार रात करीब आठ बजे दीवार ढहने से 12 से 15 मजदूर मलबे के नीचे दब गए। उन्हें भिवाड़ी के एक अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनमें से सात को मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि मृतकों में से छह की पहचान सतीश, भागीरथ, मिलन, शिव शंकर, मंगल और परमेश्वर के रूप में हुई है, जबकि चार अन्य - छोटेलाल, दीनदयाल, शिवकांत और इंद्रजीत की हालत गंभीर है। पुलिस और जांचकर्ताओं के अनुसार, यह हादसा एक आगामी आवासीय परियोजना की साइट पर हुआ, जहाँ सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जा रहा था। घटना सोमवार शाम को हुई। बेसमेंट में खुदाई के दौरान सुरक्षा के लिए बनाई गई कंक्रीट की दीवार अचानक ढह गई, जिससे भारी मात्रा में मिट्टी नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिर गई। डीसीपी (मानेसर) दीपक कुमार जेवरिया ने बताया कि पुलिस को घटना की जानकारी रात 9:15 बजे अस्पताल के जरिए मिली, जब वहां पांच मौतों की पुष्टि हुई। हादसे की खबर मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस हरकत में आई। वर्तमान में साइट पर युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नागरिक सुरक्षा अग्निशमन विभाग और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की टीमें मलबे को हटाने में जुटी हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा